# पाठ 4. चित्र-वर्णन

चित्र-वर्णन के माध्यम से बच्चों की कल्पना शक्ति को बढ़ाना है। वाक्य निर्माण करना सिखाना है। उनकी मौखिक अभिव्यक्ति का विकास करना है। उनमें आत्मविश्वास जगाना है। यही नहीं भाषा के प्रति उनमें रुचि जगाना है।

बच्चों को चित्र ध्यान से देखने को कहें। चित्र-वर्णन किस तरह किया जा सकता है, यह उन्हें बताएँ। इस चित्र के बारे में उनके विचार जानें।

बच्चों से निम्नलिखित प्रश्न करें – बच्चे क्या कर रहे हैं? यह दृश्य कहाँ का है? औरत क्या कर रही है? आदमी क्या कर रहा है? कुत्ता कैसा है? तुम्हें कौन-से फल दिखाई दे रहे हैं? चारों ओर का दृश्य कैसा है?

इन प्रश्नों पर विचार करने के बाद बच्चों से चित्र के आधार पर अपनी इच्छा से कहानी सुनाने को कहें। सभी बच्चों को बोलने का अवसर दें।